# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

## Two Day Seminar on 75 Years of Economic Development: Women Entrepreneurship for Sustainability

**News Paper: Punjab Kesari** **Date: 11-10-2022**

'आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

# देश के विकास में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

*संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो.जे.पी. सिंघल व अन्य*

महेंद्रगढ़, 10 अक्तूबर (परमजीत /मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के 'आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता' विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के आर्थिक सहयोग से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल ए.बी.आर.एस.एम. के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कोलेजिएट वुमन्स एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर ए.बी.आर.एस.एम. के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं जिस तरह से हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को साबित कर रही हैं हम आत्मनिर्भर, सक्षम व समृद्ध भारत की कल्पना उनके योगदान के बिना कर ही नहीं सकते हैं।

प्रो. जे.पी. सिंघल ने अपने संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती हैं, धैर्यवान होती हैं, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती हैं और यह गुण किसी उद्यमिता के विकास में महत्वपूर्ण हैं। आज हमें पश्चिमी दृष्टिकोण से इतर महिलाओं की महत्ता को समझते हुए उन्हें आगे लाना होगा।

## महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग सतत विकास लिए आवश्यक : प्रो. सुनीता

**मेजर** जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो. रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज, देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ. दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज सिंहा, एम.डी.यू. रोहतक से प्रो. युद्धवीर सिंह, जे.एन.यू., नई दिल्ली से डॉ. नरेश कुमार, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो. ऊषा अरोड़ा, ए.बी.आर.एस.एम., हरियाणा के संयोजक दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Dainik Bhaskar** **Date: 11-10-2022**

कार्यक्रम ▪ स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

## देश के विकास में महिला उद्यमियों की भूमिका अहम : प्रो.टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंघल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कॉलेजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ.नरेश कुमार, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंदकिशोर, प्रो.सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जबकि मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Dainik Jagran** **Date: 11-10-2022**

# देश के विकास में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे। उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नान कोलिजिएट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फिजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। प्रो.जेपी सिंद्यल ने अपने

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय मे आयोजित कार्यशाला मे भाग लेते वक्तागण ● सौ. वक्ता

संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती है, धैर्यवान होती है, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती है और यह गुण किसी उद्यामिता के विकास में महत्वपूर्ण है। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने अनेकों बार इस बात को साबित किया है कि वो विभिन्न स्तर पर पुरुषों के मुकाबले अधिक बेहतर परिणाम प्रदान कर सकती है। उन्होंने देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अनेकों उदाहरणों के माध्यम से स्वदेशी के भाव उसके विकास में रमाबाई जैसी महिलाओं के योगदान की जानकारी दी। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज,

**आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया शुभारंभ**

देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं। पश्चिमी देशों के साथ तुलनात्मकता स्थापित कर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से भारतीय महिलाएं परिवार व देश की प्रगति में अज्ञात शक्ति के रूप कार्यरत है और हमें उन्हें उद्यमिता के विकास के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। महिला अवश्य ही भारत की जीडीपी के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

**इन लोगों ने कार्यक्रम में लिया भाग:** कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डा.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य और रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डा.नरेश कुमार, गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डा. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जबकि मंच का संचालन डा. नीरज करण सिंह ने किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेंवि के अध्यक्ष डा. मनोज कुमार, डा. देवेंद्र सिंह राजपूत व डा.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Aaj Samaj** **Date: 11-10-2022**

# देश के विकास में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. जेपी सिंह, मेजर जनरल रंजीत सिंह व अन्य।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कोलिजिएट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। प्रो. रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। महिला अवश्य ही भारत की जीडीपी के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ. दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो. युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ. नरेश कुमार, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो. उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जबकि मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ. मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Amar Ujala** **Date: 11-10-2022**

# 'देश के विकास में महिला उद्यमियों की अहम भूमिका'

## महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायक है। इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने कहा कि भारत को अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास

हकेंविवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

करने होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय नॉर्थ कोलिजिएट बूमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो. गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है।

आज के समय में महिलाएं जिस तरह से हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को साबित कर रही है हम आत्मनिर्भर, सक्षम व समृद्ध भारत की कल्पना उनके योगदान के बिना कर ही नहीं सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. जेपी सिंघल ने अपने संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती है, धैर्यवान होती है, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती है और यह गुण किसी उद्यमिता के विकास में महत्वपूर्ण है।

मेजर जनरल रंजीत सिंह ने भी अपने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो.रंजीत सिंह ने इस मौके पर देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज, देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की।

उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ.नरेश कुमार, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जबकि मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेंविवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ. मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Punjab Kesari** **Date: 12-10-2022**

# ह.के.वि. में मनाया अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

*कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव शिक्षकों व विशेषज्ञों के साथ।*

## छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 11 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में छात्राओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

महिंद्रा ग्रुप व रूबिकॉन (बार्कले) के रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 16 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और समाज में सम्मान और सुरक्षा का एहसास कराना है। कार्यक्रम में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्टातिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ व ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की समन्वयक डा. रेनु यादव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ समय-समय पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर स्थानीय गांवों में जागरूकता अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करता है।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि महेंद्रा व रूबिकॉन के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 16 अक्तूबर तक चलेगा जिसमें प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र से संबंधित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डा. स्वाति चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Punjab Kesari** **Date: 12-10-2022**

# विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

## ■ महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, 11 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) के आर्थिक सहयोग से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है और अब जबकि हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रहेगी। कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्यातिथि तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

*मंच पर उपस्थित प्रो. जे.पी. यादव, प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, प्रो. सुनील कुमार व डा. मनोज कुमार।*

कार्यक्रम की मुख्यातिथि प्रो. शांतिश्री ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजन समिति को बधाई दी। प्रो. शांतिश्री ने द्रौपदी, सीता का उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्त्व से अवगत कराया।

उन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित व विकासशील देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी के आयोजन सचिव डा. मनीष कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की समन्वयक डा. दिव्या ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचालन डा. अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Dainik Jagran** **Date: 12-10-2022**

# भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका रही है महत्त्वपूर्ण

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन
- महिला उद्यमिता विकास को विकसित और विकासशील देशों के लिए बताया महत्त्वपूर्ण

**संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़:** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है और अब जबकि हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र के दौरान मंच पर उपस्थित प्रो. जेपी यादव, प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, प्रो. सुनील कुमार व डा. मनोज कुमार ● सौ. प्रवक्ता

कुलपति ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रहेगी। कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्य अतिथि तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति प्रोफेसर जे.पी. यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर शांतिश्री ने कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही महिला केंद्रित सभ्यता रही है। प्रोफेसर शांतिश्री ने द्रौपदी, सीता का उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित और विकासशील देशों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जेपी यादव ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित समापन सत्र में अपनी बात शुरू करते हुए भारतीय महिला शक्ति का उल्लेख किया और बताया कि किस तरह से महिलाएं खेलकूद के क्षेत्र लेकर आत्मनिर्भर भारत के निर्मा में योगदान दे रही हैं। उन्होंने सत विकास में महिलाओं की भूमिका प प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्र विकास में महिलाओं की भागीदा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी के आयोजन सचिव डाक्टर मनो कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। संगोष्ठी की समन्वयक डा. दिव्य ने प्रस्तुत किया। मंच का संचाल डाक्टर अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमा प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव, प्रोफेस सारिका शर्मा, प्रोफेसर नंद किशो सहित भारी संख्या विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी विद्यार्थी, शोधार्थी और प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

# Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office**

**News Paper: Dainik Bhaskar** **Date: 12-10-2022**

## हकेवि में महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

# 'विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं का योगदान अहम'

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की संस्कृति में पुरातन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और अब जबकि हम अमृतकाल परिकल्पना साकार करने में जुटे हैं, ऐसे में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है।

कार्यक्रम में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित मुख्यातिथि तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शांतिश्री ने कुलपति व आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति और वेद, उपनिषदों में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही महिला केंद्रित सभ्यता रही है। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजबीर सिंह ने महिला उद्यमिता विकास को विकसित व विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.पी. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित समापन सत्र से अपनी

संगोष्ठी के समापन सत्र के दौरान मंच पर उपस्थित प्रो. जे.पी. यादव, प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, प्रो. सुनील कुमार व डॉ. मनोज कुमार

बात शुरू करते हुए भारतीय महिला शक्ति का उल्लेख किया और बताया कि किस तरह से महिलाएं खेलकूद के क्षेत्र से लेकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रही हैं।

संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. मनीष कुमार ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. दिव्या ने प्रस्तुत दिया। मंच का संचालन डॉ. अभिरंजन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नंद किशोर सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए।